

ज मरान भूमीनी देशों को महावह वीषण 'मोट क्री' के
 लोचिकाय के साल सिओपोल II ने 1876 ई. में
 भाषोवन किया मोट मंत्रालीय संस्था की स्थापना की
 में यूरोपीय देशों के मध्य भाषली विवादों को शांतिपूर्ण
 राते ।

- जमैनी ने कौनों की समस्या तथा मध्य विवादों के निपटारे के लिए
 मोट की। यह नवंबर 1894 ई. से जून 1895 ई. तक चला । इसके
 धोरी में सभी यूरोपीय राज्यों ने आपा-मोट नॉन-पारिक्टन की (बिस्मार्क की
 के सुचारु सम्मेलन संचालन के लिए एक भाषता की स्थापना हुई ।
- जर्मिन सम्मेलन में भूमीयों के शैक्षणिक व भौतिक विकास को ध्यान में
 आया गया था, जर्मिन यूरोपीय राज्यों ने भूमीयों को भाषय में लाने
 नवाव के कई भवनों में हुए लेकीन कोई बड़ी कटाई नहीं हुई ।

विभिन्न यूरोपीय देशों के भूमीयों में गणना

फ्रांस ⇒ अल्जीरिया, मोरक्को, ट्यूनिस, भाइरी कोल आदि

इंग्लैंड ⇒ मिस्र, सुडान, दक्षिण अफ्रीका, रोडेशिया के मा, नाइजीरिया

जर्मनी ⇒ कैमरून, टोगो, गिनी, गोल्ले, गोल्ले

फ्रांस ⇒ अंगोला, जूवी मोलावी